University in News on 29 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में विदेशी छात्रों और शिक्षकों को शोध का न्योता

'रिसर्चर इन रेजिडेंस' कार्यक्रम के तहत कुलसचिव ने डीन व हेड को भेजा पत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थी और शिक्षक शोध व नवाचार गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ ही उसे नया आयाम देंगे। इसके लिए विवि प्रशासन ने इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'रिसर्चर इन रेजिडेंस' के लिए सभी डीन और हेड को पत्र लिखा है कि वह इस संबंध में उपयुक्त व्यक्तियों के नाम कुलपति कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि शोध में वैज्ञानिकता और सटीक परिणाम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'रिसर्चर इन रेजिडेंस' शुरू किया है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों के शिक्षक लविवि में शोध कार्य कर सकेंगे। इसके लिए विवि दुनिया भर के विभिन्न विषयों और संस्थानों के प्रतिष्ठित विद्वानों को अपने संस्थान में आमंत्रण के माध्यम से उनके ज्ञान का लाभ उठाएगा।

विवि प्रशासन करेगा सभी के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था

इस कार्यक्रम के तहत वह अपनी प्रतिभा और विशेषज्ञता को लविवि के साथ साझा कर यहां के शैक्षणिक माहौल को अधिक बेहतर बनाने में योगदान देंगे। 'रिसर्चर इन रेजिडेंस' में शिक्षक तीन माह के लिए लविवि परिसर में शोध कार्य करेंगे। उनके आवास, भोजन व अन्य जरूरतों की व्यवस्था विवि प्रशासन करेगा।

सुधरेगी रैंकिंग विश्व पटल पर होगा नाम : लविवि की डीन एकेडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि 'रिसर्चर इन रेजिडेंस' कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवि की रैंकिंग व ग्रेडिंग को बेहतर करने में मदद करेगा। इसके साथ ही यहां छात्रों को भी नए अनुसंधानों, नवाचारों को जानने के लिए प्रेरणा मिलेगी। इससे वह अपने शैक्षिक जीवन को शोधपरक बना पाएंगे। शिक्षक सेमिनार, कार्यशालाओं व शैक्षिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हुए यहां के विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करेगा।

बूस्ट योजना में मांगे आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विवि में बूस्ट योजना के तहत सत्र 2023-24 के पात्र शोधार्थियों व शिक्षकों के आवेदन मांगे गए हैं। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके तहत उद्दीपन, प्रोत्साहन, और प्रशंसा पुरस्कार के पात्र अभ्यर्थी व संकाय सदस्य पूर्ण दस्तावेजों के साथ डीन रिसर्च कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। जो हार्ड और सॉफ्ट कॉपी दोनों में किया जा सकता है। (संवाद)

प्रतियोगिता में लविवि को तीसरा स्थान

लखनऊ। भारतीय पेट्रोलियम भू वैज्ञानिक संघ के देहारदून चैप्टर की ओर से आयोजित प्रश्नोत्तरी में लखनऊ विवि के विद्यार्थियों ने तीसरा स्थान हासिल किया। ऑनलाइन मोड में हुई प्रतियोगिता में देशभर के 30 प्रमुख संस्थानों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। (संवाद)

i-NEXT PAGE 4

एलयू में विभागों की रैंकिंग प्रक्रिया शुरू

डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने विभागों को भेजा प्रोफार्मा

LUCKNOW (28 SEP): लखनऊ विश्वविद्यालय कई साल बाद अपने विभागों की रैंकिंग करने जा रहा है. इसमें विभागों की सभी तरह की परफार्मेंस देखी जाएगी. इसके लिए डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने सभी विभागों को सात पेज का प्रोफार्मा भेजकर 15 अक्टूबर तक एकेडमिक रिपोर्ट मांगी है. यह डेटा एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 तक होना जरूरी है. डेटा के मूल्यांकन के लिए कमेटी बनाई जाएगी जो रैंकिंग रिपोर्ट जारी करेगी.

फिर शुरू की गई प्रक्रिया

विभागों में सुधार के लिए एलयू ने कई साल पहले रैंकिंग की थी. अब फिर से यह प्रक्रिया शुरू की गई है. डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इस बार विभागों की रैंकिंग में एकेडमिक के साथ-साथ सांस्कृतिक, खेलकूद गतिविधियां, विकसित किए गए ई-कंटेंट, शोध, प्लेसमेंट सहित सभी चीजों का मूल्यांकन होगा. इसमें विभागों की इनोवेटिव टीचिंग प्रैक्टिस, विभागों की ओर से तैयार किया गया 10 साल का रोडमैप, संकाय का कार्यभार विवरण भी देखा जाएगा. उन्होंने बताया कि विभागों के बाद कालेजों की भी रैंकिंग प्रक्रिया शुरू की जाएगी.

CONCEPT PIC

इन बिंदुओं पर मांगी सूचना

- छात्र नामांकन
- इंटर्नशिप करने वाले छात्रों की संख्या
- अन्य विश्वविद्यालयों से मास्टर डिग्री प्राप्त करने वाले रिसर्च स्कालर्स की सूची
- फेलोशिप प्राप्त करने वाले रिसर्च स्कालर्स की सूची
- संकाय स्टाफ और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या
- अनुसंधान परियोजनाएं
- अनुसंधान प्रकाशन
- पुस्तक अध्याय प्रकाशित
- पुस्तकें प्रकाशन, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों आदि में लोकप्रिय लेख
- रेडियो और टेलीविजन पर लोकप्रिय वार्ता
- पेटेंट, आइपीआर-कापीराइट, संकाय और छात्रों को मिले पुरस्कार
- कार्यशालाएं, करियर परामर्श और मार्गदर्शन कार्यक्रम
- सांस्कृतिक, खेल गतिविधियां
- एमओयू के अंतर्गत किए गए कार्य
- प्लेसमेंट, प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का विवरण
- ई-सामग्री विकसित आदि

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुरू की विभागों की रैंकिंग प्रक्रिया

जासं • लखनऊ : लवि कई साल बाद अपने विभागों की रैंकिंग करने जा रहा है। इसमें विभागों की सभी तरह की परफार्मेंस देखी जाएगी। इसके लिए डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने सभी विभागों को सात पेज का प्रोफार्मा भेजकर 15 अक्टूबर तक एकेडमिक रिपोर्ट मांगी है। यह डेटा एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 तक होना जरूरी है। डेटा के मूल्यांकन के लिए कमेटी बनाई जाएगी जो रैंकिंग रिपोर्ट जारी करेगी।

15 अक्टूबर तक विभागों को देनी होगी एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 तक का डेटा

विभागों में सुधार के लिए लवि ने कई साल पहले रैंकिंग की थी। डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इस बार विभागों की रैंकिंग में एकेडमिक के साथ-साथ सांस्कृतिक, खेलकूद गतिविधियां, विकसित किए गए ई-कंटेंट, शोध, प्लेसमेंट सहित सभी चीजों का मूल्यांकन होगा। इसमें विभागों की इनोवेटिव टीचिंग प्रैक्टिस, विभागों की ओर से तैयार किया गया 10 साल का रोडमैप, संकाय का कार्यभार विवरण भी देखा जाएगा। उन्होंने बताया कि विभागों के बाद कालेजों की भी रैंकिंग प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इन बिंदुओं पर मांगी सूचना : छात्र नामांकन, इंटर्नशिप करने वाले छात्रों की संख्या, अन्य विश्वविद्यालयों से मास्टर डिग्री प्राप्त करने वाले रिसर्च स्कालर्स की सूची, फेलोशिप प्राप्त करने वाले रिसर्च स्कालर्स की सूची जैसे, नेट-जेआरएफ, प्रोजेक्ट फेलो, संकाय स्टाफ और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या, अनुसंधान परियोजनाएं, अनुसंधान प्रकाशन, पुस्तक अध्याय प्रकाशित, पुस्तकें प्रकाशन, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों आदि में लोकप्रिय लेख, रेडियो और टेलीविजन पर लोकप्रिय वार्ता, पेटेंट, आइपीआर-कापीराइट, संकाय और छात्रों को मिले पुरस्कार, कार्यशालाएं, करियर परामर्श और मार्गदर्शन कार्यक्रम, सांस्कृतिक, खेल गतिविधियां, एमओयू के अंतर्गत किए गए कार्य। प्लेसमेंट, प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का विवरण, ई-सामग्री विकसित आदि।

लवि में पढ़ाने आएंगे अंतरराष्ट्रीय शोधार्थी : लखनऊ विश्वविद्यालय पहली बार रिसर्चर इन रेजिडेंस के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के शोधार्थीओं को शोध करने और पढ़ाने का मौका देगा। इसके लिए कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक एवं प्रभारियों को पत्र भेजकर ऐसे शोधार्थीओं के आवेदन आमंत्रित करने के लिए कहा है।

डीन एकेडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि विभागों से शोधार्थीओं के लिए उपयुक्त व्यक्तियों को नामांकित करने के लिए कहा गया है। आवेदन कुलपति कार्यालय भेजे जाएंगे। शोधार्थी के आवेदन के साथ उनका बायोडाटा तथा संलग्न दिशा-निर्देशों के अनुसार विभाग एवं विश्वविद्यालय में उनके योगदान का प्रस्ताव भी संलग्न होना चाहिए। आवेदन के लिए संस्तुति के रूप में स्पष्ट कारण भी प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे शोधार्थीओं का चयन तीन महीने के लिए होगा। वह यहां शोध करने के साथ विद्यार्थियों को भी पढ़ाएंगे।

कालेजों में एआइएसएचई कोड का सत्यापन अनिवार्य

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी डिग्री कालेजों को सत्र 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए आल इंडिया सर्वे आफ हायर एजुकेशन (एआइएसएचई) कोड का सत्यापन कराना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया के बाद ही कालेज मास्टर डाटा आनलाइन भर सकेंगे। उप कुलसचिव शशि प्रभा तिवारी की ओर से लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, लखीमपुर खीरी व हरदोई के डिग्री कालेजों के प्राचार्यों को निर्देश जारी किए गए हैं। दशमोत्तर छात्रवृति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए एआइएसएचई कोड का सत्यापन अनिवार्य किए जाने के बाद भी बड़ी संख्या में कालेजों ने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की। लवि की ओर से जारी पत्र के अनुसार कालेजों को अपने जिले के समाज कल्याण विभाग से संपर्क करके एआइएसएचई कोड सत्यापित कराना होगा। उसके बाद निर्धारित समय के अनुसार मास्टर डाटा भरकर एक प्रति सभी संलग्नकों के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय से अग्रसारित करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में अग्रिम कार्यवाही कराएं ताकि पात्र छात्र-छात्राएं लाभान्वित हो सकें।

छात्रों को बताया क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग

लखनऊ : लवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) क्लाउड कैंप के अंतर्गत ईसी 2 और लिनेक्स सीएलआइ पर कार्यशाला हुई। मुख्य वक्ता एडब्ल्यूएस क्लाउड कैप्टन रंजीत सिंह रहे। उन्होंने इलास्टिक कंप्यूटर क्लाउड (ईसी2) और लिनेक्स कमांड लाइन इंटरफेस (सीएलआइ) की जानकारी दी। कार्यशाला में छात्रों को बताया कि कैसे क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग कास्ट एफिशिएंसी और आटोमेशन के लिए किया जा सकता है। (जासं)

कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ : लवि के विधि संकाय के विधिक सहायता केंद्र की ओर से शनिवार को लोक प्रशासन विभाग में लैंगिक संवेदीकरण की कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में लीगल ऐड सेंटर की सदस्य इरा उपाध्याय ने लैंगिक संवेदीकरण के बारे में बताते हुए समाज में व्याप्त लिंग-आधारित पूर्वाग्रह की भावना को बदलने की आवश्यकता को समझाया। शिवांगी सिंह व ऋषिता पांडेय ने इक्वल रैम्यूनरेशन एक्ट 1976, मेंस्टुएशन बिल के बारे में समझाया। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 4

भाषा, अर्थ और सत के बीच संबंधों पर हुआ संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविधालय के दर्शनशास्त्र विभाग में भाषा, अर्थ और सत् के बीच संबंधों पर सेमिनार का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्षा डॉ रजनी श्रीवास्तव की उपस्थिति में शोध छात्र गौरव मिश्र ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने दो पुस्तकों की चर्चा करते हुए पूंजी, भाषा, अर्थ और सत् के बीच संबंधों पर विस्तार से बताया। पहली पुस्तक गिल्स डेल्यूज़ की लॉजिक ऑफ़ सेंस दूसरी पुस्तक फ़ेलिक्स गुआटारी की लिखित एंटी-ओडिपस पर चर्चा की गई। डॉ प्रशांत शुक्ल, डॉ राजेन्द्र वर्मा, डॉ राजेश्वर यादव व डॉ ममता सिंह उपस्थित रही। सेमिनार के कोऑर्डिनेटर विभाग की शोध छात्रा निशी कुमारी रहीं।

लैंगिक भेदभाव दूर करने पर किया मंथन

अमृत विचार, लखनऊ : लैंगिक संवेदीकरण (जेंडर सेंसिटाईजेशन) को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। लैंगिक संवेदीकरण लिंग आधारित भेदभाव को दूर करने और समान व्यवहार पर आधारित अवधारणा है। विधि संकाय में कार्यशाला संकाय अधिष्ठाता प्रो बीडी सिंह, विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ.अभिषेक कुमार तिवारी, लोक प्रशासन विभाग के अध्यक्ष प्रो. नंद लाल भारती, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ वैशाली सक्सेना व डॉ सुशील सिंह चौहान के नेतृत्व में आयोजन हुआ। विधिक सहायता की सदस्य इरा उपाध्याय ने कहा कि समाज में व्याप्त लिंग-आधारित पूर्वाग्रह की भावना को बदलने की आवश्यकता है। शिवांगी ने पॉश एक्ट, भंवरी देवी केस 1992 और विशाखा गाइडलाइन के बारे में बताया। दानिश ने शिकायत प्रक्रिया, विभिन्न ऑर्गेनाइजेशंस, स्कूल वा कॉलेज में स्थापित इंटरनल कंप्लेंट समिति के बारे में बताया।

प्रश्नोत्तरी में लविवि के छात्रों को तीसरा स्थान

अमृत विचार,लखनऊ : भारतीय पेट्रोलियम भूवैज्ञानिक संघ देहरादून की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। ऑनलाइन मोड में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के प्रमुख संस्थानों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 35 प्रश्नों के उत्तर देने थे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 30 सेकेंड का समय निर्धारित किया गया था। प्रत्येक संस्थान से पांच छात्रों ने भाग लिया। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रमुख स्कोररों में प्रभांश मिश्रा ने 25,098 अंक प्राप्त किए और कल्याणी द्विवेदी ने 25,395 अंक हासिल किए। अंकों का निर्धारण सही उत्तरों की अधिकतम संख्या और सबसे कम समय के आधार पर किया गया।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में शोध और शिक्षण कर सकेंगे विदेशी रिसर्चर

अवसर

03 माह के लिए विश्वविद्यालय में किया जाएगा आमंत्रित

- रिसर्चर इन रेजीडेंस योजना के लिए विश्वविद्यालय में मांगे गए आवेदन

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अन्तरराष्ट्रीय फैकल्टी से पढ़ने का मौका मिलेगा। साथ ही एलयू के शोधकर्ता और अन्तराष्ट्रीय शोध कर्ताओं को एक साथ शोध साझा करने का अवसर भी मिलेगा। एलयू रिसर्चर इन रेजीडेंस योजना शुरू करने जा रहा है। विदेशी शोधकर्ताओं को आमंत्रित किया जाएगा।

डीन ऑफ एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि रिसर्चर इन रेजीडेंस योजना के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इस योजना के अन्तर्गत अन्तराष्ट्रीय फैकल्टी और अन्तरराष्ट्रीय शोध कर्ताओं को तीन महीने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधकर्ता और आमंत्रित शोध कर्ता के साथ कोलेबरेशन में कार्यक्रम होंगे। साथ ही आमंत्रित शोधकर्ता जिन विषयों पर शोध करना चाहते हैं उसके लिए विश्वविद्यालय उनका सहयोग करेगा। इस सम्बंध में सभी संकायध्यक्षों को कुलसचिव के स्तर से पत्र भेजा गया है ताकि अन्तराष्ट्रीय शोधकर्ता आवेदन कर सकें। प्रो. गीतांजलि ने कहा कि कितने शोधकर्ता को मौका मिलेगा और उनके कम से कम कितनी ग्रांट लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से दी जाएगी ये अभी तय किया जाएगा।

वेब सर्वर का प्रबंधन सीखा: लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में एडब्लूएस क्लाउड कैंप के अंतर्गत ईसी 2 और लिनेक्स सीएलआई पर वर्कशॉप में मुख्य वक्ता एडब्लूएस क्लाउड कैप्टन रंजीत सिंह ने प्रतिभागियों को गहन ज्ञान दिया।

बूस्ट योजना: पुरस्कारों के लिए आवेदन मांगे

विश्वविद्यालय की बूस्ट योजना के अन्तर्गत वर्ष 2023-24 के लिए दिए जाने वाले उद्दीपन, प्रोत्साहन और प्रशंसा पुरस्कार के लिए आवेदन मांगे गए हैं। पात्र शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को दस्तावेजों के साथ आवेदन डीन रिसर्च, ओएनजीसी बिल्डिंग को हार्डकापी और सॉफ्ट कॉपी से भेजे जा सकते हैं।

सुरक्षा कानून पर मंथन

लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन की ओर से भारत में संगठित और असंगठित क्षेत्रों के श्रमिकों से संबंधित सामाजिक सुरक्षा कानूनों पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। कानूनी विशेषज्ञों, छात्रों और शिक्षाविदों ने भाग लिया और समस्याओं पर चर्चा की।

TOI PAGE 2

Quiz, Seminar And Workshop On Cloud Computing Keep LU Abuzz

LU bags third spot at GEO India 2024 Quiz

Lucknow: Lucknow University clinched the third position at the prestigious GEO India 2024 Quiz Competition organised by the Association of Petroleum Geologists (APG), India on Saturday. The online competition saw participation from 30 top institutions across the country. The quiz consisted of 35 questions, each requiring answer within 30 seconds. Teams from universities showcased their expertise in geology and petroleum sciences. LU's team saw notable contributions from Prabhansh Mishra, an MSc Applied Geology 2nd year student, who scored 25,098 points, and Kalyani Dwivedi, an MSc Geology 1st year student with 25,395 points. TNN

Moot court takes up social security of working class

Times News Network

Lucknow: Legal experts, students and academics discussed issues faced by workers and explored potential reforms needed to safeguard their social security rights during a national seminar organised by Lucknow University Moot Court Association (LUMA) on Saturday.

The seminar was titled "Social Security Laws Related to Workers in Organised and Unorganised Sectors in India."

"In order to promote workers' welfare and ensure their dignity, social security laws are essential. These laws not only safeguard the rights of workers but also contribute significantly to the broader economic and social development of our nation," said Justice Rajesh Singh Chauhan of Allahabad High Court's Lucknow Bench.

SC Srivastava (retd), Kurukshetra University, presented an analysis of social security of workers, raising concerns over inadequate provisions for unorganised sector workers.

Legal experts and academics at the seminar on Saturday

AWS workshop gives insight on cloud computing

Lucknow: About 250 students participated in an AWS Cloud Campaign, focusing on EC2 and Linux CLI, at faculty of Engineering and Technology at Lucknow University. The workshop was led by Ranjit Singh, AWS Cloud Captain, who provided in-depth knowledge about Amazon Web Services' Elastic Compute Cloud (EC2) and the Linux Command Line Interface.

Singh said, "EC2 is a web service that allows users to set up virtual servers on the cloud and run a variety of applications, offering features like Elastic Block Store (EBS), security options, and various instance types."

The workshop included live demonstrations, giving attendees practical experience in deploying servers. TNN